RAJHIN/2016/70516
Bhilwara/171/2023-2024
सच्चाई से रुबरू
smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-11 अंक- 01 भीलवाड़ा, सोमवार, 06 जुलाई 2026 पृष्ठ-04 मूल्य-04 रूपये

देशभर में मानसून का कहर: महाराष्ट्र में झरने में फंसे 100 पर्यटक सुरक्षित निकाले, बिहार में कोसी में समाए 6 घर

▪ स्मार्ट हलचल

दिल्ली। देशभर में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर सहित कई राज्यों में भारी बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। कई स्थानों पर बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक असर

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले स्थित जेनिथ वॉटरफॉल में अचानक जलस्तर बढ़ने से लगभग 100 पर्यटक फंस गए। प्रशासन और बचाव दल ने रस्सियों की सहायता से सभी पर्यटकों का सुरक्षित रेस्क्यू किया।

वसई के मधुबन क्षेत्र में करीब पांच फीट पानी भर जाने से लगभग 20 कारें जलमग्न हो गईं। वहीं मुंबई में लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण 64 पेड़ गिर गए तथा आठ मकानों की दीवारें ढह गईं। अलग-अलग हादसों में पेड़ गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए।

भारी बारिश के चलते छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी उड़ानों का संचालन प्रभावित रहा। खराब मौसम के कारण इंडिगो की चार उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि 13 उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट किया गया।

गुजरात में बाढ़ जैसे हालात

गुजरात के जूनागढ़, भावनगर, पोरबंदर और अमरेली जिलों में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए। जूनागढ़ में कई स्थानों पर चार फीट तक पानी भर गया, जिससे लोगों को नावों के सहारे सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। भावनगर में एक कार तेज बहाव में बह गई, जबकि अमरेली जिले में धातरवाडी-2 बांध के 20 गेट खोलने के बाद नदी उफान पर आ गई।

बिहार में कोसी का कटाव

बिहार के खगड़िया जिले के शिशवा गांव में कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने से तेज कटाव शुरू हो गया। कटाव की चपेट में आकर छह मकान नदी में समा गए, जबकि कई अन्य मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के 18 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

अन्य राज्यों में भी असर

दिल्ली-एनसीआर में रविवार को तेज हवा के साथ बारिश हुई, जिससे कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी। मध्य प्रदेश के इंदौर, भोपाल, उज्जैन सहित 20 से अधिक जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण हल्द्वानी में एक निजी हेलीकॉप्टर की एहतियातन इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी, जबकि यमुनोत्री मार्ग पर भूस्खलन से यातायात कुछ समय के लिए बाधित रहा।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में बसंतर नदी में फंसे पांच लोगों को एसडीआरएफ और पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला।

राजस्थान के जैसलमेर में तेज आंधी के दौरान होटल की छत से सोलर पैनल उड़कर सड़क पर गिर गया, जिससे तीन लोग घायल हो गए। वहीं राज्य के कई जिलों में अगले पांच दिनों तक भारी वर्षा की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून लगभग पूरे देश में सक्रिय हो चुका है और अगले कुछ दिनों तक अधिकांश राज्यों में मध्यम से भारी वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। कई राज्यों में प्रशासन ने लोगों को नदी-नालों और जलप्रपातों के समीप जाने से बचने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी है।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: पूछताछ में बड़े खुलासों का दावा, सीसीटीवी फुटेज भी जांच में अहम साक्ष्य

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर करोड़ों रुपये की चोरी कबूल की है.

▪ स्मार्ट हलचल

अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिलने का दावा किया गया है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पुलिस पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने कथित तौर पर चोरी की पूरी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि चढ़ावे की गणना के दौरान नकदी को कथित रूप से कपड़ों और मोजों में छिपाकर बाहर ले जाया जाता था, ताकि किसी को संदेह न हो। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि चोरी की रकम को बाद में कहां रखा जाता था और उसका उपयोग किस प्रकार किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने कथित रूप से डिलीट किए गए सीसीटीवी फुटेज भी रिकवर किए हैं। सूत्रों के अनुसार, इन फुटेज में पांच आरोपी चढ़ावे की गिनती के दौरान नोटों की गड्डियां अपने कपड़ों और मोजों में छिपाते हुए दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। पुलिस इन फुटेज की फोरेंसिक जांच भी करा रही है, ताकि उनकी प्रमाणिकता सुनिश्चित की जा सके।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक की जांच में लगभग 80 लाख रुपये की बरामदगी की जा चुकी है। वहीं, जेल में बंद पांच आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनसे मिले इनपुट के आधार पर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि इस कथित चोरी में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका रही है या नहीं। पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध सभी साक्ष्यों का वैज्ञानिक परीक्षण कराया जा रहा है और जांच पूरी होने के बाद ही अंतिम निष्कर्ष सामने आएगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण प्रदेश के सबसे चर्चित मामलों में शामिल है। पुलिस का कहना है कि मामले में निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की जा रही है तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

25 लाख का 47.288 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर । राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सवाई माधोपुर जिले से करीब 25 लाख रुपये कीमत का 47.288 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करी में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली गई है।

एएनटीएफ के महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सवाई माधोपुर जिले के खंडार निवासी मुकुट बिहारी (36) और हनुमान (30) के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी ने पहले मोबाइल रिचार्ज की दुकान संचालित की, लेकिन बाद में कथित रूप से गांजा तस्करी में शामिल हो गया। वर्ष 2020 में उसकी ओडिशा के एक तस्कर से पहचान हुई, जिसके बाद वह वहां से गांजा लाकर राजस्थान और मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करने लगा।

पुलिस के अनुसार आरोपी ओडिशा से 4 से 5 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से गांजा खरीदकर 15 से 20 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक बेचते थे। इस अवैध कारोबार में हनुमान भी शामिल था, जिसे प्रत्येक खेप पर तय कमीशन दिया जाता था। पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपी इस धंधे से प्रतिदिन 30 से 32 हजार रुपये तक का मुनाफा कमा रहे थे

एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि आरोपी पिछले छह-सात वर्षों से बड़े पैमाने पर गांजा तस्करी कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस ने करीब दो माह तक उसकी गतिविधियों पर निगरानी रखी। पुख्ता सूचना मिलने पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर घेराबंदी कर संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी के दौरान कार की डिग्गी में दोनों लाइटों के पास विशेष रूप से बनाए गए गुप्त बॉक्स से 47.288 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने गांजा और वाहन जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

बांकरा में अवैध आरा मशीन जब्त, 6 ट्रॉली पंचमेल लकड़ी भी पकड़ी

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर / वन विभाग ने अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम बांकरा में एक अवैध आरा मशीन जब्त की है। कार्रवाई के दौरान करीब 6 ट्रॉली पंचमेल लकड़ी भी जब्त की गई।

रेंजर आर.के. शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई डीएफओ के निर्देशन में की गई। कार्रवाई दल में वन कर्मी भेरूलाल, राकेश मीणा एवं वीरेंद्र मीणा सहित वन विभाग का स्टाफ शामिल रहा।

वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से संचालित आरा मशीन को जब्त किया तथा बड़ी मात्रा में पंचमेल लकड़ी बरामद की। जब्त की गई लकड़ी को विभागीय कब्जे में

लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। क्षेत्र में अवैध कटाई एवं लकड़ी के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चलती कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

▪ स्मार्ट हलचल

गुरला / नेशनल हाईवे 758 पर विनायक विद्यापीठ के पास एक चलती कार में अचानक आग लग जाने से हड़कंप मच गया। हादसे में कार पूरी तरह जलकर राख हो गई, लेकिन चालक ने समय रहते गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा की ओर से आ रही कार जैसे ही विनायक विद्यापीठ के पास पहुंची, तभी इंजन से धुआं निकलने लगा। चालक ने तुरंत गाड़ी रोकी और बाहर निकला। कुछ ही सेकंड में कार ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरा वाहन आग की चपेट में आ गया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि हाईवे से गुजर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर दमकल और पुलिस मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी।

प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

गनीमत रही कि समय पर चालक बाहर निकल गया वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

24 घंटे में दो जगह गिरी आकाशीय बिजली, दो की मौत, कई झुलसे

▪ स्मार्ट हलचल

हरनावदाशाहजी (बारां)। क्षेत्र में आकाशीय बिजली का कहर जारी है। 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग महिला सहित अन्य लोग झुलस गए।

कचनारिया कला गांव में दिनेश (22 वर्ष) खेत पर काम करते समय बिजली की चपेट में आ गया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसकी दादी भी झुलसी हैं, जिनका इलाज जारी है।

वहीं, मोतीपुरा कला में कमल सिंह मीणा (44 वर्ष) की रात को खेत की रखवाली के दौरान बिजली गिरने से मौत हो गई।

एएसआई अखेराज सिंह ने बताया कि दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच जारी है।

घटनाओं के बाद ग्रामीणों ने जांच और मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। प्रशासन ने खराब मौसम में सतर्क रहने की अपील की है।

50 साल पुराना जर्जर नाला बना हादसों का कारण

▪ स्मार्ट हलचल

काशीपुरी-वाल्मीकि बस्ती के लोगों ने पुनर्निर्माण और स्लैब लगाने की उठाई मांग

भीलवाड़ा / काशीपुरी और वाल्मीकि बस्ती से गुजरने वाला करीब 50 वर्ष पुराना नाला जर्जर हालत में होने से स्थानीय लोगों के लिए खतरा बन गया है। जगह-जगह से टूटे नाले में बरसात के दौरान तेज बहाव के कारण हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। वाल्मीकि समाज के कार्यकर्ता छीतरमल गेंगट ने बताया कि एक वर्ष पहले इसी नाले में बहने से समाज के एक युवक की मौत हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अब तक मरम्मत नहीं कराई गई। समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि खुला और टूटा नाला बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक अशोक कोठारी, नगर निगम और जिला प्रशासन से नाले का शीघ्र पुनर्निर्माण कर खुले हिस्सों पर स्लैब लगाने की मांग की है, ताकि बरसात के दौरान किसी और जनहानि से बचा जा सके।

मेनाल के झरने से कूदकर रिटायर्ड पुरातत्व कर्मी ने दी जान,150 फिट गहरी खाई से निकाला गया शव

▪ स्मार्ट हलचल

मेनाल-प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मेनाल झरने पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां पुरातत्व विभाग के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने 150 फीट गहरे झरने में छलांग लगा दी। इस आत्मघाती कदम से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रविवार सुबह पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद शव को खाई से बाहर निकाला जा सका। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बाबूलाल (62) पिता उदयलाल हरिजन, मूल निवासी चित्तौड़गढ़ के रूप में हुई है। वे पुरातत्व विभाग से सेवानिवृत्त थे और पिछले करीब 40 वर्षों से अपने परिवार के साथ मेनाल में ही रह रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 10 बजे बाबूलाल घर में किसी मामूली बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद घर से निकल गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें झरने की ओर जाते हुए देखा था और कुछ ही देर बाद उनके झरने में कूदने की सूचना मिली। घटना की सूचना मिलते ही बेगूं थाना प्रभारी कमल चंद पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। रात में अत्यधिक

अंधेरा होने और झरने की गहराई अधिक होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी चुनौतियां आईं। रविवार सुबह राहत दल ने काफी प्रयासों के बाद झरने के नीचे चट्टानों के बीच फंसे शव को सुरक्षित बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि करीब 150 फीट नीचे गिरने के दौरान बाबूलाल पानी की बजाय सीधे चट्टानों पर जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। फिलहाल, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपने की कार्रवाई शुरू कर दी है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है।

सहकार सप्ताह पर संगोष्ठी, उत्कृष्ट शाखाओं व कर्मचारियों का सम्मान

साइबर सुरक्षा और बैंकिंग नवाचार पर दिया प्रशिक्षण, व्यापार विस्तार पर हुआ मंथन

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / केन्द्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भीलवाड़ा अरबन को-ऑपरेटिव बैंक के प्रधान कार्यालय नागोरी गार्डन में सहकार सप्ताह एवं साइबर सिक्योरिटी जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक अध्यक्ष विवेकानंद पाण्डे ने की। प्रबंध संचालक नरेन्द्र कुमार सनाढ्य ने बैंक की उपलब्धियों और राजस्थान में सहकारी बैंकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए व्यापार विस्तार के लिए शाखाओं को मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रबंधकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। एनपीए प्रबंधन में

डॉ. हेमेन्द्र कौशिक, श्रेष्ठ शाखा के रूप में गांधी नगर शाखा के प्रबंधक संजय पाण्डे व उनकी टीम तथा जमा खातों में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए नेहरू रोड शाखा के प्रबंधक रमेश काबरा एवं स्टाफ को सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी में चार्टर्ड अकाउंटेंट रजत गगरानी ने आयकर के नए प्रावधानों की जानकारी दी, जबकि आईटी प्रभारी दौलत शर्मा ने साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरों और बचाव के उपायों पर कर्मचारियों को जागरूक किया। अध्यक्ष विवेकानंद पाण्डे ने सहकारिता में नवाचार अपनाकर आमजन तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने का आह्वान किया।

अपना घर वृद्धाश्रम में 66 नेत्र रोगियों को परामर्श किया

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति भीलवाड़ा एवं स्पर्श हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में अपना घर वृद्धाश्रम में आज नेत्र शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 66 नेत्र रोगियों को परामर्श दिया गया समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा द्वारा कई गांव से आए नेत्र रोगियों को परामर्श दिया रोगियों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया शिविर में नेत्र जांच , नेत्र ऑपरेशन, आवास ,भोजन व्यवस्था निशुल्क रखी गई इस अवसर पर समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी, जे के मित्तल, दया शंकर शुक्ला, अरुण जागेटिया, रामनारायण सोमानी ,शांत सोमानी,लादू लाल माली, घनश्याम डाड आदि ने सेवाएं दी

470 यूनिट रक्तदान, रावणा राजपूत समाज ने दिखाई सेवा की मिसाल

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान के तत्वावधान में नगर निगम टाउन हॉल में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में 470 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। रक्त विभिन्न ब्लड बैंकों को सौंपा गया। इस अवसर पर समाज की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई तथा रक्तदाताओं, भामाशाहों और प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। विधायक जब्बर सिंह सांखला ने समाज को सेवा कार्यों में लगातार आगे रहने का आह्वान किया।

कौमी एकता की मिसालः हजरत सैयद फैज अली सरकार का 58वां सालाना उर्स संपन्न, मखमली चादर पेश कर मांगी खुशहाली की दुआ

मुख्य आकर्षण रहा चादर का जुलूस, बैंड-बाजे और सूफियाना कलामों के बीच उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब; हिंदू समाज ने किया भव्य स्वागत

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। रविवार दोपहर शाहपुरा के उम्मेद सागर बांध पर युवकों की शराब पार्टी के दौरान गोली चलने से सनसनी फैल गई। गोली लगने से गाडरी खेड़ा निवासी महेंद्र कहार गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली उसके पैर में लगी, जिससे काफी खून बह निकला। मौके से लोगों ने तत्काल उसे शाहपुरा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत को देखते हुए उसे भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश विश्नोई मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य भी थाने पहुंचे, जहां कहार समाज के युवाओं की भीड़ जमा हो गई। एएसपी ने युवाओं से बातचीत कर उन्हें शांत किया और आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटनावश गोली चलने का सामने आया है। पुलिस के अनुसार कुछ युवक उम्मेद सागर बांध पर बैठकर शराब पार्टी कर रहे थे। संभावना है कि इसी दौरान शिकार के लिए लाई गई बंदूक से अचानक गोली चल गई, जो महेंद्र कहार के पैर में जा लगी। हालांकि यह कहानी पुलिस के शुरुआती अनुमान से अलग नजर आ रही है। बताते है शराब पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर युवकों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर एक युवक ने उत्तेजना में आकर महेंद्र कहार पर सीधे फायरिंग कर दी और वारदात के बाद खेतों की ओर फरार हो गया।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। समाज के लोगों ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस फरार युवक की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। एएसपी राजेश आर्य ने बताया कि पुलिस दोनों पहलुओं दुर्घटनावश गोली चलने और जानबूझकर फायरिंग को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी पहलुओं के आधार पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी। मामले की जांच सब इंस्पेक्टर बालकिशन शर्मा कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया जाएगा।

राउंड टेबल ने किया 201 पौधों का रोपण, संरक्षण का भी लिया संकल्प

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद् शाखा गंगापुर एवं राउंड टेबल भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर 201 पौधों का रोपण किया गया। साथ ही प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल एवं सिंचाई की जिम्मेदारी भी संबंधित लोगों को सौंपी गई, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। भारत विकास परिषद् के पर्यावरण प्रभारी नंद किशोर तेली ने बताया कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण और नियमित देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य से पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी तय की गई है। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद् शाखा गंगापुर के अध्यक्ष चमन लोसर, पूर्व अध्यक्ष भेरूलाल सुराणा, चैनसुख जिनगर, हरिवल्लभ शर्मा तथा राउंड टेबल भीलवाड़ा 370 के चेयरमैन राघव समदानी, सचिव कोनार्क सबरवाल, हर्ष अग्रवाल, कविश नाहर, डॉ. दिवाकर, सनी बोहरा, सोनाली गुप्ता, प्रियल शाह, पायल दरक, सकीना सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया।

भीलवाड़ा के देवेंद्र सिंह ने दुनिया को दिखाई भारतीय तकनीक की ताकत, छोटी-सी शुरुआत से 40 से अधिक देशों तक पहुंची बॉलिंग मशीन

अब AI तकनीक से लैस 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली मशीन तैयार, क्रिकेट अभ्यास में आएगा नया दौर

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान का भीलवाड़ा अब केवल टेक्सटाइल उद्योग के लिए ही नहीं, बल्कि खेल तकनीक (स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी) में भी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसकी मिसाल हैं तिलक नगर निवासी देवेंद्र सिंह राजपूत, जिन्होंने एक छोटे शहर से बड़े सपने देखने का साहस किया और अपनी मेहनत, नवाचार तथा तकनीकी सोच के दम पर ऐसी क्रिकेट बॉलिंग मशीन विकसित की, जो आज 40 से अधिक देशों में खिलाड़ियों के अभ्यास का हिस्सा बन चुकी है।

कभी सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ यह सफर आज अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच गया है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों की क्रिकेट अकादमियों, क्लबों और प्रशिक्षण केंद्रों में भीलवाड़ा में बनी बॉलिंग मशीन का उपयोग किया जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल देवेंद्र सिंह के लिए बल्कि राजस्थान और भारत के लिए भी गर्व का विषय है।

छोटे शहर से निकला बड़ा नवाचार

देवेंद्र सिंह का मानना है कि प्रतिभा किसी महानगर की मोहताज नहीं होती। उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बॉलिंग मशीन बनाने का काम शुरू किया। शुरुआत आसान नहीं थी। आर्थिक सीमाएं, तकनीकी चुनौतियां और संसाधनों की कमी जैसी कई बाधाएं सामने आईं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। लगातार अनुसंधान, परीक्षण और सुधार के बाद उन्होंने ऐसी मशीन तैयार की, जिसने अपनी गुणवत्ता और सटीकता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में जगह बना ली।

आज उनकी कंपनी के विभिन्न मॉडल देश-विदेश में उपयोग किए जा रहे हैं और लगातार नए ऑर्डर मिल रहे हैं।

अब AI तकनीक से लैस होगी नई मशीन

देवेंद्र सिंह अब क्रिकेट प्रशिक्षण को और आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उनकी नई बॉलिंग मशीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) तकनीक से लैस होगी, जो बल्लेबाजों को वास्तविक तेज गेंदबाज के सामने खेलने जैसा अनुभव देगी।

नई मशीन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 200 किलोमीटर प्रति घंटे तक गेंद फेंकने की क्षमता होगी। वर्तमान में अधिकांश बॉलिंग मशीनें करीब 165 किलोमीटर प्रति घंटे तक ही गेंदबाजी कर पाती हैं। इससे तेज गति के अलावा गेंद की लाइन, लेंथ और विविधता को भी बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा।

मोबाइल ऐप से होगी पूरी मशीन संचालित

नई मशीन को पूरी तरह डिजिटल बनाया जा रहा है। इसे मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकेगा। कोच या प्रशिक्षक मोबाइल से ही गेंद की स्पीड, लेंथ, एंगल और अन्य सेटिंग्स बदल सकेंगे। मशीन में फिलहाल 18 गेंदों की ऑटो फीडिंग क्षमता होगी, जिसे भविष्य में 250 गेंदों तक बढ़ाने की योजना पर काम चल रहा है।

इस तकनीक से खिलाड़ियों को लगातार बिना रुकावट अभ्यास करने का अवसर मिलेगा और प्रशिक्षण अधिक प्रभावी होगा।

80 हजार से 18 लाख तक के मॉडल

देवेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी कंपनी के 13 से 14 मॉडल बाजार में उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 80 हजार रुपये से लेकर 4.25 लाख रुपये तक है। वहीं AI तकनीक से लैस अत्याधुनिक मॉडल की अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये होगी। यह मशीन विशेष रूप से प्रोफेशनल क्रिकेट अकादमियों, स्टेडियमों और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण केंद्रों के लिए विकसित की जा रही है।

'मेक इन इंडिया' की मिसाल बना भीलवाड़ा

एक समय था जब भारत को इस तरह की आधुनिक मशीनों के लिए विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज भीलवाड़ा में बनी मशीनें विदेशी कंपनियों को चुनौती दे रही हैं। यह सफलता 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की भावना को भी मजबूत करती है।

देवेंद्र सिंह का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल मशीन बनाना या बेचना नहीं, बल्कि भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय तकनीक उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें विदेशों पर निर्भर न रहना पड़े।

युवाओं के लिए प्रेरणा

देवेंद्र सिंह राजपूत की सफलता यह साबित करती है कि यदि सोच बड़ी हो, मेहनत ईमानदार हो और लक्ष्य स्पष्ट हो तो छोटे शहर भी दुनिया के नक्शे पर अपनी पहचान बना सकते हैं। भीलवाड़ा जैसे शहर से शुरू हुई एक छोटी-सी पहल आज 40 से अधिक देशों तक पहुंच चुकी है और भारतीय नवाचार की नई कहानी लिख रही है।

क्रिकेट जगत में उनकी यह उपलब्धि न केवल तकनीकी विकास का उदाहरण है, बल्कि देश के युवाओं के लिए यह संदेश भी है कि सपने बड़े हों तो सफलता की कोई सीमा नहीं होती।

सुनेल तहसील में अव्यवस्थाओं का आरोपः न्यायालय के आदेश के बाद भी किसानो को नहीं मिला कब्जा, अतिक्रमणों पर भी उठे सवाल

▪ स्मार्ट हलचल

सुनेल / तहसील इन दिनों विभिन्न प्रशासनिक अव्यवस्थाओं और लंबित मामलों को लेकर चर्चा में है। क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील में आमजन के कार्यों की अनदेखी हो रही है, जबकि प्रभावशाली लोगों के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

चार साल न्याय की लड़ाई, फिर भी नहीं मिला कब्जा-

जानकारी के अनुसार सुनेल निवासी बालाराम, देवीलाल व अन्य परिवार के सदस्य किसानो ने अपनी भूमि से जुड़े विवाद में न्याय पाने के लिए करीब चार वर्षों तक न्यायालय की शरण ली। लंबे संघर्ष के बाद अगस्त 2025 में उपखंड अधिकारी न्यायालय, पीड़ावा द्वारा इनके पक्ष में निर्णय सुनाया गया। लेकिन किसानो का आरोप है कि न्यायालय का फैसला आने के कई माह बाद भी उसे भूमि का वास्तविक कब्जा नहीं दिलाया गया है। पीड़ित किसान लगातार तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं होने से वह निराश है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे कई मामले हैं जिनमें सीमा ज्ञान और कब्जा दिलाने की कार्रवाई लंबे समय से लंबित पड़ी हुई है।

अवैध अतिक्रमणों पर कार्रवाई नहीं होने के आरोप

सूत्रों के अनुसार तहसील क्षेत्र के कई गांवों में सरकारी भूमि, चारागाह भूमि एवं अन्य सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण तेजी से बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं, कई स्थानों पर स्थायी निर्माण भी किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार तहसील प्रशासन को शिकायतें दी गईं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि अतिक्रमण हटाने के बजाय उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

चारागाह भूमि मुक्त कराने की मांग भी अधर में

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भी करीब आठ माह पूर्व एक प्रशासनिक शिविर के दौरान तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर गो-चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की थी। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मांग के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमणों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो भविष्य में सरकारी एवं चारागाह भूमि को बचाना मुश्किल हो जाएगा।

ग्रामीणों ने की उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं उच्च राजस्व अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच करवाने, न्यायालय के आदेशों की पालना सुनिश्चित करने तथा सरकारी और चारागाह भूमि पर हुए अतिक्रमणों के विरुद्ध अभियान चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि आमजन को न्याय दिलाने और प्रशासन पर जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई आवश्यक है।

इनका कहना है

तहसीलदार का न्यायालय के हर आदेशों की पालना करने का कर्तव्य होता है अगर इस तरह का मामला है तो दिखवाकर आवश्यक कार्रवाई करवाई जाएगी।

दिनेश कुमार मीणा
उपखंड अधिकारी पिड़ावा

फिट इंडिया के 'संडे ऑन साइकिल' अभियान में 375 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

साइक्लिंग के साथ मेडिटेशन का भी मिला अनुभव

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। री-नीट यूजी 2026 जयपुर। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) और फिट इंडिया अभियान के संयुक्त तत्वावधान में हार्टफुलनेस जयपुर सेंटर के सहयोग से रविवार को 'Sundays On Cycle (संडे ऑन साइकिल)' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रामचंद्रपुरा स्थित हार्टफुलनेस मेडिटेशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 375 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6:30 बजे वार्मअप एक्सरसाइज और जुम्बा से हुई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके बाद स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं हार्टफुलनेस संस्था की ओर से मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शॉल, गुलदस्ता और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि रामचंद्रपुरा ग्राम पंचायत के सरपंच एवं राजस्थान सरपंच संघ के अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल ने 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' का संदेश देते हुए हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। आयोजन के लिए फिट इंडिया की ओर से 70 साइकिलों की व्यवस्था की गई थी, जबकि कई प्रतिभागी अपनी निजी साइकिल लेकर भी पहुंचे। साइक्लिंग में 8-10 वर्ष के बच्चों से लेकर 85 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर फिटनेस के प्रति जागरूकता का परिचय दिया। साइक्लिंग के बाद प्रतिभागियों ने हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन एवं मेडिटेशन सत्र में भाग लिया, जहां उन्होंने मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा अल्पाहार कराया गया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से लाभदायक बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता जताई। आयोजकों ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को नियमित व्यायाम, साइक्लिंग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है।

भाजपा ग्रामीण मंडल शाहपुरा की मासिक बैठक विधायक कार्यालय में संपन्न

▪ स्मार्ट हलचल

संगठन विस्तार और डिजिटल अभियान पर जोर

शाहपुरा-भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल शाहपुरा की मासिक बैठक शाहपुरा विधायक कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती कार्यक्रम तथा शक्ति केंद्रों के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष जीवराज गुर्जर ने मंडल के प्रत्येक पदाधिकारी को डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म पर 20-20 प्रमाण पत्र बनवाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि संगठन के डिजिटल अभियानों को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना समय की आवश्यकता है और इसमें प्रत्येक पदाधिकारी की सक्रिय भूमिका जरूरी है। बैठक में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती बूथ स्तर तक मनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही "एक पेड़ डॉ. मुखर्जी के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कर उसकी फोटो सरल ऐप पर अपलोड करने के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जा सके। बैठक का एक अहम निर्णय सभी ग्राम पंचायतों में शक्ति केंद्र प्रमुखों की नियुक्ति को लेकर रहा। मंडल अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि हर ग्राम पंचायत से नए नाम प्रस्तावित कर शक्ति केंद्र प्रमुखों की नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए, जिससे संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाया जा सके। बैठक में मंडल पदाधिकारी महामंत्री कृष्णगोपाल शर्मा, भेरू गाडरी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण कुमावत, संदीप पटवारी, हीरालाल बैरवा, प्रेमशंकर शर्मा, विकास मीणा, कमल रायका, मुकेश शर्मा, नंदलाल खारोल तथा डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म विधानसभा सह संयोजक सुरेश भाट सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने, बूथ स्तर तक गतिविधियों को गति देने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

सहकार सप्ताहः राठौड़ ने दिलाया हरित राजस्थान के निर्माण का संकल्प

▪ स्मार्ट हलचल

कोटा। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'सहकार सप्ताह' के अंतर्गत कोटा सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड परिसर स्थित 'सहकार वन' में 'ग्रीन को-ऑपरेटिव दिवस' के अवसर पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंक अध्यक्ष चैन सिंह राठौड़ ने की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन में संचालित 'एक पेड़ मां के नाम, आओ बनाएं हरियालो राजस्थान' अभियान प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसी भावना के अनुरूप बैंक परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कम से कम पांच-पांच पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। पौधारोपण के दौरान लगाए गए पौधों की जियो-टैगिंग भी की गई, ताकि उनकी नियमित निगरानी और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के अतिरिक्त रजिस्ट्रार बलविंदर सिंह गिल, राजेश कुमार मीणा, उप रजिस्ट्रार रजनी बाला मीना, केंद्रीय सहकारी बैंक कोटा के अधिशासी अधिकारी, तकनीकी सहायक शिवचरण विजय, सहकारिता विभाग के कार्मिक रोहित बालोदिया, संध्या भार्गव, मोनिका सतुनिया तथा भूमि विकास बैंक के वरिष्ठ अधिकारी धर्मवीर सिंह, खलीलउद्दीन, भूपेंद्र भार्गव, राकेश शर्मा, मुकेश पारीक, हरिओम गौतम, मोहिन खान सहित बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

जन्मदिन पर बधाइयों का लगा तांता, पत्रकार जाकिर हुसैन का आत्मीय सम्मान

▪ स्मार्ट हलचल

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के कार्यालय प्रभारी को मित्रों, कांग्रेसजनों एवं पत्रकार साथियों ने दी शुभकामनाएं

निंबाहेड़ा / पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के कार्यालय प्रभारी एवं पत्रकार जाकिर हुसैन का जन्मदिन रविवार को पेच एरिया स्थित कार्यालय पर हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके इष्ट मित्रों, शुभचिंतकों, कांग्रेसजनों, पत्रकार साथियों एवं कार्यालय स्टाफ ने पहुंचकर जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

समारोह के दौरान विधानसभा क्षेत्र युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, हाजी एजाज़ अहमद,चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ के सचिव फैसल खान, नगर कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष शमशु कमर मंसूरी, पत्रकार वकार अहमद, आशुतोष टांक, पप्पू भाई सहित अनेक मित्रों एवं शुभचिंतकों ने जाकिर हुसैन को गुलाब की मालाएं पहनाकर, उपरणा ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि जाकिर हुसैन अपनी विनम्रता, सामाजिक सरोकारों, सक्रिय कार्यशैली एवं पत्रकारिता के प्रति समर्पण के कारण क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं।

रात्रि 12 बजे से लगातार मिलती रहीं शुभकामनाएं

जन्मदिन के अवसर पर जाकिर हुसैन को समाज के विभिन्न वर्गों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकार साथियों, मित्रों एवं शुभचिंतकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से तथा दूरभाष एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई संदेश प्राप्त हुए। शुभकामनाएं देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा और सभी ने उनके सफल, स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

सादगी, सेवा और समर्पण का मिला सम्मान

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जाकिर हुसैन ने पत्रकारिता के माध्यम से जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। साथ ही पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना के कार्यालय प्रभारी के रूप में भी वे समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, सौहार्द एवं शुभकामनाओं से सराबोर रहा तथा अंत में ज़ाकिर हुसैन ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

'महिला सुरक्षा एवं संकल्प' अभियान के तहत भटकती महिला व बच्चे को सकुशल परिवार से मिलाया

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर / जिला पुलिस ने 'महिला सुरक्षा एवं संकल्प' अभियान के तहत तत्परता दिखाते हुए एक बार फिर मानवीयता की मिसाल पेश की है। पुलिस टीम ने मसूदा रोड के पास लावारिस हालत में भटक रही एक महिला और उसके मासूम बच्चे को सुरक्षित रेस्क्यू कर, उनके परिजनों की तलाश की और उन्हें सकुशल सुपुर्द कर दिया।

मसूदा रोड पर लावारिस हालत में मिली थी महिला

मामले की जानकारी देते हुए ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक (SP) श्री रतन सिंह ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. श्रीमती अनुकृति उज्जैनिया के नेतृत्व व निर्देशन में जिले में 'महिला सुरक्षा एवं संकल्प' अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आज, 5 जुलाई को ब्यावर सिटी पुलिस थाने को सूचना मिली कि मसूदा रोड के आसपास एक महिला अपने बच्चे के साथ बदहवास और लावारिस स्थिति में घूम रही है। किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुए पुलिस ने तुरंत महिला को सुरक्षित थाने पहुंचाया।

पहचान छिपाने की चुनौती

टीम ने ऐसे खोजा परिवार थाने लाने के बाद महिला मानसिक अस्वस्थता या घबराहट के कारण अपने घर और परिजनों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ब्यावर सिटी थानाधिकारी आशुतोष पाण्डे (पु. नि.) ने तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया। इस टीम में 'कालिका पेट्रोल यूनिट' की महिला कांस्टेबल श्रीमती अमृता और कांस्टेबल अशोक कुमार को शामिल किया गया।

पुलिस टीम ने अपने स्तर पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी और स्थानीय खुफिया सूत्रों से सूचनाएं जुटाईं। कड़ी मशक्कत के बाद टीम महिला के परिजनों तक पहुँचने में कामयाब रही।

कुशलपुरा निवासी लक्ष्मण सिंह को सौंपी जिम्मेदारी

परिजनों को थाने बुलाकर पूरी तस्दीक की गई, जिसके बाद महिला और उसके बच्चे को उनके परिजन श्री लक्ष्मण सिंह (निवासीः कुशलपुरा, ब्यावर) के सुपुर्द किया गया। अपने खोए हुए परिवार को सकुशल पाकर परिजनों ने ब्यावर पुलिस का सहृदय आभार व्यक्त किया।

सफलता पाने वाली टीमः इस सराहनीय कार्य में मुख्य रूप से ब्यावर सिटी थानाधिकारी आशुतोष पाण्डे, कालिका पेट्रोल यूनिट की महिला कांस्टेबल अमृता (नंबर 24321) और कांस्टेबल अशोक कुमार (नंबर 3154) की विशेष और सजग भूमिका रही।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

वनवासी कल्याण परिषद ने बांटे 101 तुलसी के पौधे

जुलाई में ग्रामीण क्षेत्रों के 400 परिवारों तक पहुंचेगा तुलसी वितरण अभियान

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / वनवासी कल्याण परिषद की भीलवाड़ा इकाई ने रविवार को पालड़ी गांव स्थित बालाजी मंदिर परिसर में 101 तुलसी के पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम प्रांत नगरीय प्रमुख रामप्रकाश अग्रवाल के सानिध्य में आयोजित हुआ। जिला उपाध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि परिषद कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर तुलसी के धार्मिक एवं औषधीय महत्व की जानकारी देते हुए पौधों का वितरण किया। उन्होंने बताया कि 10 से 30 जुलाई तक इंद्रपुरा, आर्जिया, गोविंदपुरा, तेलीखेड़ा सहित आसपास के गांवों में 400 तुलसी पौधे वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में ज्ञानचंद जैन, रुपलाल अजमेरा, दिनेश विजयवर्गीय, तरूणा शर्मा, पुष्पा अग्रवाल, कमल गोखरू, भागचंद बाहेती, कृष्णा जैन, ओमप्रकाश गंदोडिया सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान आयुर्वेद चिकित्साधिकारी संघ के जिला चुनाव संपन्न; डॉ. चेतन प्रकाश सेन निर्विरोध जिलाध्यक्ष निर्वाचित

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान आयुर्वेद चिकित्साधिकारी संघ (सम्बद्ध राजस्थान राजपत्रित अधिकारी सेवा महासंघ) जिला शाखा ब्यावर के सांगठनिक चुनाव रविवार को श्री राम होटल में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। चुनाव लोकतांत्रिक और सौहार्दपूर्ण माहौल में सर्वसम्मति से पूरे किए गए।

निर्विरोध चुनी गई नई कार्यकारिणी पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. पारस चौहान के समन्वयन में आयोजित इस चुनावी प्रक्रिया को चुनाव निर्वाचन अधिकारी (जिलाध्यक्ष खैरथल तिजारा) डॉ. अरुण कुमार मुद्गल एवं प्रांतीय पर्यवेक्षक (जिलाध्यक्ष अजमेर) डॉ. इन्दुबाला के कुशल निर्देशन में संपन्न कराया गया। चुनाव में एक जिलाध्यक्ष, तीन प्रांतीय प्रतिनिधि एवं एक प्रांतीय राजपत्रित महासंघ प्रतिनिधि पद के लिए मतदान होना था। निर्धारित समय तक आए आवेदनों के बाद सर्वसम्मति से डॉ. चेतन प्रकाश सेन को जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

इसके साथ ही प्रांतीय प्रतिनिधि पद पर डॉ. पारस चौहान, डॉ. आशीष सोनी व डॉ. रत्नमाला सूर्यवंशी तथा प्रांतीय राजपत्रित महासंघ प्रतिनिधि पद पर डॉ. चम्पालाल कुमावत को निर्विरोध चुना गया। चुनाव संपन्न होने पर उपस्थित सभी चिकित्सकों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया।

इन्होंने निभाई संयोजक की भूमिका

चुनावी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए संयोजक के रूप में डॉ. आशीष सोनी, डॉ. विनोद कुमार मखीजा, डॉ. दीपक अरोड़ा, डॉ. प्रीति गुप्ता एवं डॉ. गिरधारी लाल सोनी ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली।

यह चिकित्सक रहे मौजूद

इस अवसर पर ब्यावर जिले के आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. नेहा सोनी, डॉ. महादेव राज मेवाडा, डॉ. सौरभ भट्ट, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. सुशिल कुमार, डॉ. उर्मिला बडोला, डॉ. बलवीर दान चारण, डॉ. भागीरथ मल, डॉ. महेश लाल पुर्वीया, डॉ. मनोज कुमार सहित कई अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

शटडाउन के बाद भी लाइन में दौड़ा करंट, एफआरटी के ठेका कर्मचारी की मौत

विभागीय लापरवाही का आरोप: परिजनों ने अस्पताल में दिया धरना, मुआवजे के आश्वासन पर शांत हुआ मामला

▪ स्मार्ट हलचल

थांवला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

रियांबड़ी / क्षेत्र में बिजली विभाग की कथित लापरवाही एक परिवार पर भारी पड़ गई। भेरूंदा जीएसएस की एफआरटी (फॉल्ट रिपेयर टीम) में कार्यरत एक ठेका कर्मचारी की बिजली लाइन पर फॉल्ट ठीक करने के दौरान करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों ने विभागीय कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में धरना शुरू कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग के उच्च अधिकारी और रियांबड़ी तहसीलदार अशोक कुमार मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार को उचित सहायता राशि देने के आश्वासन के बाद करीब कई घंटों से चल रहा धरना समाप्त हुआ।

शटडाउन के बावजूद चालू कर दी लाइन

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में मृतक के बड़े भाई जवरदीन पुत्र अब्दुल्ला खां (निवासी बिखरनिया खुर्द, थाना पादूकलां) ने बताया कि उनका 38 वर्षीय भाई सदीक सौदा एंड कंपनी, गुड़गांव के माध्यम से बिजली विभाग में ठेका कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। 4 जुलाई की शाम करीब 6 बजे वह बनवाड़ा फीडर से जुड़े शहबाज सिपाहियों की ढाणी स्थित डीपी (ट्रांसफॉर्मर) का फॉल्ट ठीक करने गया था। परिजनों का आरोप है कि सदीक ने नियमानुसार हाईटेंशन लाइन का शटडाउन लिया था। इसके बाद जब वह खंभे पर चढ़कर कार्य कर रहा था, तभी अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो गया। करंट के जोरदार झटके के कारण वह खंभे से नीचे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने घोषित किया मृत

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद साथी कर्मचारी सदीक को लेकर थांवला के राजकीय अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण व परिजन अस्पताल परिसर में जमा हो गए। परिजनों का सीधा आरोप है कि शटडाउन प्रक्रिया लागू होने के बावजूद विभागीय कर्मचारियों ने घोर लापरवाही बरतते हुए लाइन को दोबारा चालू कर दिया, जिससे यह हादसा हुआ।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, जांच जारी

थांवला थानाधिकारी अशोक कुमार झाझडिया ने बताया कि पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और तकनीकी जांच के बाद जो भी कर्मचारी या अधिकारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेघवाल का ब्यावर में ऐतिहासिक स्वागत; कार्यकर्ताओं को दिया समरसता और सेवा का मंत्र

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री श्री निहालचंद मेघवाल के ब्यावर आगमन पर रविवार को देलवाड़ा बायपास स्थित ग्रैंड गीता रिसोर्ट में भव्य स्वागत समारोह एवं कार्यकर्ता समरसता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं नीति शोध प्रमुख नरेश कनोजिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मेघवाल का फूल-मालाओं और साफा पहनाकर ऐतिहासिक स्वागत किया।

अंतिम छोर तक पहुँच रहा योजनाओं का लाभ

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री निहालचंद मेघवाल और ब्यावर विधायक श्री शंकर सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए आयाम छू रहा है। केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आज समाज के अंतिम छोर पर बैठे पात्र परिवारों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुँच रहा है। तकनीक और डिजिटल लर्निंग पर जोर प्रदेशाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए आह्वान किया कि वे सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुँचाने के साथ-साथ 'डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण अभियान' से अनिवार्य रूप से जुड़ें। उन्होंने कहा कि आज के दौर में तकनीक का प्रभावी उपयोग करके ही संगठन को बूथ स्तर तक सबसे अधिक सक्रिय और सशक्त बनाया जा सकता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और सेवा को सर्वोपरि रखकर कार्य करना होगा। वरिष्ठनेताओंकीरहीगरिमामयीउपस्थिति इस दौरान मंच पर ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मुकेश गर्ग, ओमप्रकाश जेदिया और अजमेर देहात अध्यक्ष सतीश पारचे सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों में एससी मोर्चा की सक्रिय भूमिका को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई।

बड़ी संख्या में उमड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता

इस अवसर पर रविंदर जॉय, गणपत सिंह प्रधान, महिपाल सिंह, अजय फुलवारी, वीरेंद्र रावत, शशिबाला सोलंकी, बबीता चौहान, सुरेंद्र राजपुरोहित, सुनीता भाटी, मोनू टाइगर, शशिकांत, मूल सिंह राजपुरोहित, जयकिशन बल्दुआ, रवि टांक, कैलाश वैष्णव, गुड्डू शर्मा, वीरेंद्र यादव, ममता गुप्ता, टीना मेघवाल सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी, पार्षद, जन-प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था और सभी ने नए प्रदेशाध्यक्ष के नेतृत्व में मोर्चा को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पारसोली में भाजपा कमांड मंडल की मासिक बैठक संपन्न

▪ स्मार्ट हलचल

बेगूं। भारतीय जनता पार्टी कमांड मंडल (बेगूं) की मासिक सामूहिक बैठक रविवार को भाजपा कार्यालय, पारसोली में आयोजित हुई। मंडल मीडिया प्रमुख नगजीराम धाकड़ ने बताया कि बैठक के मुख्य अतिथि अमर सिंह चौहान रहे, जबकि अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राकेश पितलिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यनारायण माली उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, बूथ सशक्तिकरण, संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यकर्ताओं के प्रमाण-पत्र डाउनलोड करवाए गए तथा उन्हें डिजिटल प्रशिक्षण से जुड़ी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई।

मुख्य अतिथि अमर सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करें।

मंडल अध्यक्ष राकेश पितलिया ने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पूर्ण निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आग्रह किया। बैठक में मंडल महामंत्री प्रहलाद सिंह चुंडावत, जीतू धाकड़, मंडल उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राणावत, भृगु जाट, मदन दास वैष्णव, कन्हैयालाल कुमावत, भंवर रेबारी, मन की बात संयोजक बद्रीलाल गट्यानी, मंत्री भंवर गुर्जर, कैलाश प्रजापत, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश सोमानी, एवं मांगीलाल जीनगर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत~ अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं~

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं~

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछ्ले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश्?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्त्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश्?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत~ कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।